साइंस एक्सप्रेस – सुनहरे भविष्य की ओर

साइंस एक्सप्रेस एक अनूठी विज्ञान प्रदर्शनी है जिसकी रचना ट्रेन पर की गई है। ३० नवम्बर २००८ को शुरु हुई यह प्रदर्शनी अपने इस दूसरे चरण की यात्रा में लगभग १७००० कि.मी की यात्रा छः महीने में तय करके, सम्पूर्ण भारत–वर्ष के ५१ रेल्वे स्टेशनों में पहुँचेगी। हर एक स्टेशन पर यह प्रदर्शनी ३–४ दिनों तक रहेगी, जिस दौरान विद्यार्थीगण तथा आगंतुक इसे देख पाएँगे। इस प्रदर्शनी का मुख्य उदेश्य विद्यार्थीयों की जिज्ञासा को सींचकर, उनमें विज्ञान के प्रति रुचि जगाना है।

श्वेत रंग की यह पूरी तरह से वातानुकूलित ट्रेन में १६ डिब्बे हैं। इस प्रदर्शनी में ३०० से भी अधिक विशाल – प्रारुप वाले दर्शनीय प्रतिबिंब लगभग १५० से अधिक वीडियो क्लिपस तथा मल्टीमीडिया शामिल की गई हैं। यह प्रदर्शनी सभी के लिए खुली है, परन्तु मूलतः यह उच्च विद्यालय एवं कॉलेज के छात्रों के लिए ज़्यादा उपयोगी है। यह प्रदर्शनी विद्यार्थीयों में वैज्ञानिक रुझान एवं स्वभाव विकसित करने के लिए प्रयासरत है, जिससे उन्हें विज्ञान के क्षेत्र में प्रोत्साहन मिलें और उसके प्रति रुचि बनी रहे। इस प्रदर्शनी के माध्यम से यह कोशिश की गई है कि नयी शोधों को प्रयोगशाला से बाहर निकाल कर दर्शको के बीच लाया जाए एवं दर्शकों को यह बताया जाए कि विज्ञान हमारे दैनिक जीवन में कितना उपयोगी है। दर्शकों को यह सीखने को मिलता है कि किस तरह से विज्ञान समाज को इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बना रहा है।

यह परियोजना भारत तथा जर्मन के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में मैत्री सम्बन्धों का परिचायक है। वर्ष २००७ में भारत के माननीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह तथा जर्मन फ़ेडरल चाँसलर डॉ. ऐंजेला मर्केल ने साइंस एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर प्रदर्शनी के पहले चरण का आरंभ किया था। जिसे सम्पूर्ण भारतवर्ष के ५७ शहरों में २२.५३ लाख लोगों ने देखा और भरपूर प्रशंसा की थी।

३० नवम्बर २००८ को दिल्ली के सफ़दरजंग स्टेशन से आरंभ हुई इस प्रदर्शनी को हर स्टेशन पर स्थानीय स्कूल, कॉलेज एवं दर्शकों का भरपूर सहयोग मिला है। यह ट्रेन पूरे भारत की परिक्रमा कर रही है। इस पत्र के साथ साइंस एक्सप्रेस का आनेवाले दिनों का कार्यक्रम संलग्न है।

ट्रेन के १२ प्रदर्शनी कोच में अधिकांश प्रदर्शनी मैंक्स प्लैंक सोसायटी, जर्मन द्वारा निर्मित हैं, परंतु कुछ भारत में ही बनाई गई हैं। दर्शकगण इसके द्वारा विज्ञान के विभिन्न मनमोहक क्षेत्रों मे जा सकते हैं। वे दुनिया के रहस्यों को जान सकते हैं, नई–नई शोध के विषय को और भविष्य की प्रौद्योगिकी के बारे में जानकारी ले सकते हैं।

यह प्रदर्शनी विश्व के दिलचस्प तथ्यों की जानकारियाँ देते हैं कि संसार कैसे शुरु हुआ, अंतरिक्ष की झलकियाँ, ब्लैक होल्स, गैलेक्सी, बिग बैंग की ओर, नैनोकॉसमौस, मस्तिष्क ओर उसकी क्रिया प्रणाली, इंद्रीय संसार, भविष्य की तकनीकें, वैश्विक चुनौतियां, ब्रह्मांड इत्यादि। इसके अलावा एक कोच केवल भारत पर ही केन्द्रीत है – जिसमें भारतदेश की मनोहर विरासत और उसके भविष्य में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में होनेवाली योजना को दर्शाया गया है। इस कोच में भारत की आइ.टी में उपलब्धियाँ, बायोटेक, स्पेस, नैनोटेक्नोलोजी, नई शोध पर फ़िल्म–शो, खोज दर्शायी गई है। एक प्रदर्शनी हमारे अपने ग्रह–पृथ्वी को भी दर्शाती है।

विशेष आकर्षण के तौर पर एक कोच में 'विज्ञान का आनंद' नामक प्रयोगशाला भी स्थापित की गयी है, जहाँ विद्यार्थी विज्ञान सम्बन्धी प्रयोग करते हैं। यह प्रयोगशाला **VASCSC** द्वारा स्थापित की गई है, जिससे विद्यार्थीयों की विज्ञान एवं गणित में रुचि जगाई जा सके। उच्च विद्यालय के विद्यार्थीगण छोटे–छोटे समूह (२० विद्यार्थी) में इस प्रयोगशाला में भाग ले सकते हैं। इसके लिए उन्हें रजिस्ट्रेशन करना पड़ेगा । विज्ञान का आनंद प्रयोगशाला में भाग लेने के लिए, **vascsc.jos@gmail.com** पर ई–मेल करें या प्रयोगशाला इन–चार्ज से संपर्क **09428405408** पर करें ।

साइंस एक्सप्रेस प्रदर्शनी में प्रवेश निःशुल्क है। विद्यार्थीगण व युवाओं को हम प्रोत्साहित करते हैं कि बड़ी संख्या में प्रदर्शनी देखने आएँ और इस मौके का भरपूर लाभ उठाएँ । साइंस एक्सप्रेस सम्बन्धी और अधिक जानकारी '**www.sciencexpress.in**' वेबसाईट पर उपलब्ध है।

भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौधोगिकी विभाग ने साइंस एक्सप्रेस के पूरे भारत मे प्रबंध एवं संचालन की जिम्मेदारी अहमदाबाद स्थित विक्रम ए साराभाई कम्युनिटी साइंस सेन्टर (VASCSC) को दी है। VASCSC के टीम में प्रोजेक्ट काऔर्डिनेटर, साइंस कम्युनीकेटर एवं टेकनीशीयन हैं, जो ट्रेन में यात्रा कर रहें है, ये सभी प्रदर्शनी को सरल रुप से दर्शकों को समझाते हैं, उनके प्रश्नों को हल करते है व दर्शकों के लिए प्रदर्शनी को सुगम बनाते है। अधिक जानकारी के लिए, कृपया **sciencexpress@gmail.com** ई–मेल करें या प्रोजेक्ट काऔर्डिनेटर से संपर्क **09428214281** या **09428405407** नम्बरो पर करें।

हम सभी से सहयोग की अपेक्षा रखते है, जिससे कि इस प्रतिष्ठित साइंस एक्सप्रेस प्रदर्शनी को अत्याधिक लोकप्रसिद्धि मिले, और विद्यार्थीगण लाभान्वित हों।

कृपया ध्यान दे:

(१) यह प्रदर्शनी मूलत: कक्षा ९ एवं उसके ऊपर की कक्षाओं के विद्यार्थीयों के लिए है।
(२) इस प्रदर्शनी को देखने के लिए कोई प्रवेश–शुल्क नहीं है।
(३) साइंस एक्सप्रेस पर मोबाईल फ़ोन, केमरा, बैग, माचिस, सिगरेट, बीडी, तम्बाकू, पान–मसाला, बोतल, नूकीलें वस्तुएँ लान। प्रतिबंधित है।
(४) प्रदर्शनी समय सुबह १०:०० से सायं ५:०० बजे तक रहेगा।
(५) प्रदर्शनी स्थल: संबंधित शहर का रेल्वे स्टेशन

अधिक जानकारी व सुझाव के लिए कृपया इस पते पर लिखें :

दिलीप सुरकर
निर्देशक
विक्रम ए साराभाई कम्युनिटी साइंस सेन्टर
नवरंगपुरा, अहमदाबाद – 380 009
फ़ोन: 079-26302914, 65242006
ई–मेल: vascsc@gmail.com
वेबसाईट: www.sciencexpress.in; www.vascsc.org